उगम

ऊर्जा

Ugam Education Foundation
सितंबर 2020 | अंक 3

शिक्षक, गुरू, मित्र...

संपादक से

उगम की ओर से आप सभी केजीबीवी की छात्राओं के लिये, अपनी गपशप करने का, अपनी बात रखने का, अपने मन को सजग करने का एक छोटा- सा प्रयास !!

आप सब इसे खूब मज़े से पढिये और अपनी प्रतिक्रिया और सूझाव हमें ज़रूर दिजिये।

आधुनिक युग के विभिन्न दिवसों की चकाचौंध में बहुत से दिन धूमिल हो जाते हैं पर शिक्षक दिवस हम सभी को याद रहता है।

जिसकी खुद की जिज्ञासा, रचनात्मकता और करूणा कभी ना रूके वही एक शिक्षक है, एक लीडर है!

शिक्षक की सही पहचान एक विद्यार्थी के अतिरिक्त और कौन कर सकता है? एक शिक्षक का सबसे अधिक प्रभाव भी विद्यार्थी पर ही पड़ता है।

आज के दिन कई शिक्षकों की याद आती हैं - मेरी भूगोल और इतिहास की मिस – हमेशा एक मामूली मुस्कुराहट उनके चेहरे पर बनी रहती थी, गुस्से में भी चेहरा सौम्य बना रहता था और वर्ग में हमेशा प्रश्नों का सिलसिला इनकी मंद-मंद आवाज़ में बना रहता था। मेरे गणित के टीचर – बुलंद आवाज़ किंतु धीमी गति से समझाना, अपने लहज़े में कोई अंतर्कथा सुनाना, हँसना और सभी को हँसाना पर रौब ऐसा कि उनके दिये प्रश्न सुलझाना ज़रूरी हो जाता था।

हिंदी के शिक्षक के साथ मस्ती से साहित्यिक ज्ञान – चर्चा करना ज़्यादा याद है।

जब भी कक्षा का वातावरण गंभीर हो जाता तो बड़ी सहजता से पाठ्यक्रम की लीक छोड़ कर छंद, कविता, दोहे सुनाने लगते, निराला, अज्ञेय आदि के काव्यांश सुना देते।

मेरी ही तरह आज आपको भी अपने अनेक शिक्षकों की याद आती होगी। हमारे कई शिक्षक इस महामारी के दौरान हमारे साथ रहे; जब-जब महसूस किया कि मैं हार रही हूँ, तब-तब इन्होंने हौसला दिया कि मैं हार नही सकती।

इस शिक्षक दिवस पर अंत में कबीर जी का एक दोहा आपके लिए

गुरू गोविंद दोऊ खड़े,
काके लागूँ पाय,
बलिहारी गुरू आपने,
गोविंद दियो बताय ॥

कुछ प्रसिद्ध हस्तियों के शब्द

अमेरिका के भूतपूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने अपने बेटे के शिक्षक को एक पत्र लिखा था, जो आज भी महत्वपूर्ण है।

उसके कुछ अंश पढ़िए-

हे शिक्षक!
मैं जानता हूँ और मानता हूँ
कि न हर व्यक्ति सही होता है
और न ही होता है सच्चा;
किंतु तुम्हें सिखाना होगा कि
कौन बुरा है और कौन अच्छा।

.....

दुष्ट व्यक्तियों के साथ-साथ आदर्श प्रणेता भी होते हैं,
स्वार्थी राजनीतिज्ञों के साथ-साथ समर्पित नेता भी होते हैं|
दुश्मनों के साथ-साथ मित्र भी होते हैं
हर विरूपता के साथ सुन्दर चित्र भी होते हैं।

.....

उसे दिखा सको तो दिखाना -
किताबों में छिपा खज़ाना।
और उसे वक़्त देना चिंतन करने के लिए.....
कि आकाश के परे उड़ते पंछियों का आह्लाद,
सूर्य के प्रकाश में मधुमक्खियों का निनाद,
हरी-भरी पहाड़ियों से झांकते फूलों का संवाद,
कितना विलक्षण होता है - अविस्मरणीय ...अगाध् ..

.....

उसे सिखाना
कि वह सबकी सुनते हुए अपने मन की भी सुन सके,
हर तथ्य को सत्य की कसौटी पर कसकर गुन सके।
यदि सिखा सको तो सिखाना कि वह दुःख में भी मुस्कुरा सके,
घनी वेदना से आहत हो, पर खुशी के गीत गा सके।
उसे यह भी सिखाना कि आंसू बहते हों तो उन्हें बहने दें,
इसमें कोई शर्म नहीं .... कोई कुछ भी कहता हो.... कहने दें।

अब्राहम लिंकन
हिंदी भावानुवाद - मधु पंत

"शिक्षा सबसे सशक्त हथियार है जिससे दुनिया को बदला जा सकता है।"

नेल्सन मंडेला

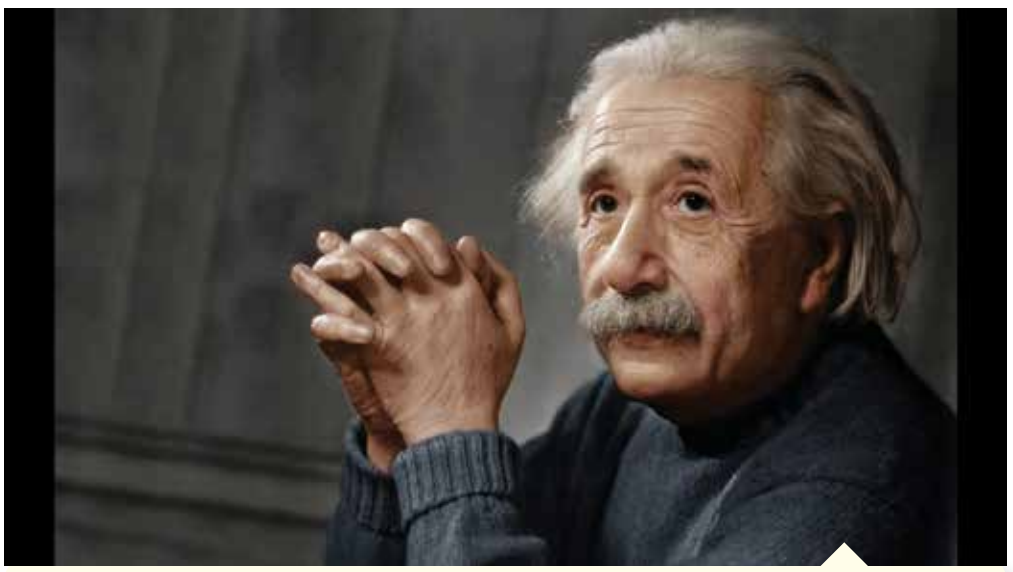

“रचनात्मक अभिव्यक्ति और ज्ञान में आनंद जगाना शिक्षक की सर्वोच्च कला है।”

अल्बर्ट आइंस्टीन

सौजन्य- http://www.arvindguptatoys.com/arvindgupta/abehindi.pdf

क्या आप जानते हैं?

आपके जिले, पूर्वी सिंहभूम के सभी केजीबीवी का नेतृत्व कौन करता है?

पढ़िये उगम के संजय झा के साथ उनकी एक मुलाकात.....

प्रः नमस्कार, बिंदुजी। आप पूरे पूर्वी सिंहभूम जिले के KGBV को संभालती हैं, आज हम आपके बारे में कुछ जानना चाहेंगे। शुरू करते हैं, आपके जीवन के शुरूआती सालों से, आपका परिवार, पढाई ... इनके बारे में कुछ बताइये।

बिंदु झा जीः मेरा जन्म एक मध्यम वर्गीय रूढ़िवादी परिवार में हुआ। हाई स्कूल की शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात अभिभावकों का आग्रह विवाह कर विदा करने का था। उनके विचारों को बदलने के लिये मुझे खूब संघर्ष करना पड़ा। अंततः स्नातक एवं स्नातकोत्तर तक पढ़ाई पूर्ण की।
इस दौरान महाविद्यालय के प्रो. वासु ने आर्थिक रूप से स्वतंत्रता का महत्व समझाया।
फिर स्नातक पश्चात समाजसेवी संस्था "महिला कल्याण समिति" के विद्यालय से जुड़ी। संस्था की सचिव अंजली दीदी का काफी प्रभाव रहा मुझ पर। 1988 से 1993 तक उन्हीं के साथ रही।

प्रः महिला या लड़कियों के सशक्तिकरण के विचार और प्रेरणा कहाँ से मिले?

बिंदु जीः 1992 में बिहार शिक्षा परियोजना द्वारा एक कार्यशाला में सहभागी हुई। वहाँ 350 में से 3 महिलाओं का चयन महिला समख्या कार्यक्रम के लिये किया गया। मैं उन तीन में से एक थी। तब से गत 26 वर्षों से महिलाओं और शिक्षा के कार्य से जुड़ी हूँ । इन जुड़ावों से ही प्रेरणा मिलती रही। ही प्रेरणा मिलती रही।

प्रः क्या आप महिला समख्या के कुछ अनुभव साझा कर सकती हैं?

बिंदु जीः महिला समख्या ने एक प्लेटफ़ार्म उपलब्ध कराया जहाँ ग्रामीण क्षेत्र की शोषित महिलाओं के जीवन को करीब से देखा और समझा। महिला समख्या का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को शिक्षित, स्वाभिमानी, आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना था। यहाँ मेरे सपनों को उड़ान भरने का मौका मिला। महिला समूहों का गठन, रोज़गार उन्मुख प्रशिक्षण जैसे कार्यों में पूरे पूर्वी सिंहभूम जिले में कार्यरत रही।

प्रः कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय के इंचार्ज के रूप में अब तक आपके अनुभव कैसे रहे?

बिंदु जीः झारखंड शिक्षा परियोजना के अंतर्गत 2012 से KGBV प्रभारी के रूप में जूडी हुई हूँ ।। यह अनुभव काफी चुनौतीपूर्ण रहा। सभी ग्रुप की बच्चियों की चयन प्रक्रिया पूर्ण कर नामांकन सुनिश्चित करना और उन्हें शिक्षा एवं सुविधा देना। सारे वार्डन और शिक्षिकाओं के लिये एक प्रेरणादायी लीडर बनना और अपने निजी जीवन के बीच संतुलन बनाये रखना, यह सब एक रोमांचपूर्ण यात्रा रही है।
कोविड महामारी के कारण KGBV बंद हुए। महामारी के दौरान बच्चियों की शिक्षा का समाधान और दूसरी ओर KGBV को क्वारेंटाईन सेंटर बनाने पर वहाँ की व्यवस्था संभालना कठिन रहा।

प्रः KGBV की वार्डन और शिक्षिकाओं के संबंध में क्या कहना चाहेंगी आप?

बिंदु जीः KGBV के सभी कर्मचारियों को मैं बहुत सम्मान देती हूँ। अपने घर परिवार से दूर रह कर यह लड़कियों को संभालती हैं। ना केवल इनकी शिक्षा, इनकी भावनाएं, इनकी सेहत यह सभी चीज़ों का खयाल रखतीं हैं। वे वास्तव में आदर की पात्र हैं।
महामारी के इस विपरीत समय में KGBV की वार्डन और शिक्षिकाओं ने वर्च्युअल मीटिंग और अलग-अलग माध्यमों से अथक प्रयास किये हैं और 65% से ज़्यादा लड़कियों तक शिक्षा पहुँचाई है।

प्रः आपका सबसे बड़ा स्वप्न क्या है?

बिंदु जीः मेरे महिला समख्या के अनुभव ने मेरे सपनों को पंख दिए। मेरा सपना है देश की सारी लड़कियाँ शिक्षित और आत्मनिर्भर हों। अपनी भावनाओं को हर स्तर पर व्यक्त कर पायें। वे परिवार, समाज, राज्य और देश के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकें। ऐसा संभव हुआ तो मुझे बेहद प्रसन्नता होगी।
आपको सुनकर बहुत ही अच्छा लगा। आपने समय दिया और हमसे बातें की इसलिये बहुत धन्यवाद।

शिक्षकों की पहल

पड़ोसी धर्म

अमिता टूडू केजीबीवी डुमारीया की कक्षा 9 की विद्यार्थी है।उसकी शिक्षिका कापरा टूडू ने बताया कि अमिता के माता-पिता नहीं है। जब केजीबीवी बंद हुए तो अमिता एक सुदूर गाँव में अपनी दादी के पास रहने चली गयी। अमिता, सन्थली आदिवासियों के टुडु समुदाय से आती है। उसकी दादी मुश्किल से ही घर चला पाती है और उनके पास कोई फ़ोन या TV नहीं हैं।

कापरा जी को अमिता की मुस्कुराहट, आँखों की चमक और कक्षा में हमेशा सवाल पूछते रहना बहुत याद आता था। उन्हें अमिता तक ना पहुँच पाने की बेचैनी बहुत सता रही थी।

एक शुक्रवार देर शाम को अमिता ने एक पड़ोसी के फ़ोन से अपनी शिक्षिका कापरा को मिस्ड कॉल दिया। अमिता द्वारा किये गए इस प्रयास ने कापरा को बहुत प्रेरित किया और उन्होंने उस पड़ोसी से बात की। उन्होंने अपनी सारी शक्ति लगा दी और पड़ोसी को मनाया कि वे अमिता को अपने फ़ोन पर उनसे सम्पर्क बनाने दें। अब कापरा हर सप्ताह पड़ोसी के फ़ोन पर अमिता से बात करती है और पढ़ने में मदद करती है।

शिक्षक और गूगल

“मैंने दो महीने पहले ही केजीबीवी में काम करना शुरू किया था। मैं छात्राओं के चेहरों से भी परिचित नहीं हो पाई थी और लॉकडाउन हो गया। शुरू में जब मैंने कुछ छात्राओं से फ़ोन पर बात की तो मैं परेशान हो गयी क्योंकि मुझे उनके चेहरे याद नहीं थे और समझ नही आ रहा था कि मैं किससे बात कर रही हूँ । इसलिए मैंने इंटरनेट पर ख़ोजा और देखा कि ऑनलाइन मीटिंग्स के लिए Google मीट का उपयोग कैसे करे। मेरी पहली Google मीट क्लास में 3 छात्राओं से संपर्क किया, और जब मैंने अपने छात्रों को देखा तो मुझे जो खुशी मिली, उसे शब्दों में कहना मुश्किल है। वर्तमान प्रतिकूल स्थिति ने हमें अपनी छात्राओं से जुड़ने के नए तरीके सिखाए हैं। छात्राओं को रही मुश्किलों को मैं समज़ने कि पूरी कोशिश कर रही हूँ और यह कि हम किस तरह से उनका समाधान कर सकते हैं।” हमारी पहली वर्चुअल स्टाफ मीटिंग के दौरान KGBV जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम से संगीता चौधरी जी ने साझा किया।

शिक्षा में फोन या फोन में शिक्षा?

कोरोना संक्रमण का सबसे ज़्यादा असर बच्चों की शिक्षा पर हुआ है। विशेषकर उन क्षेत्रों में तो और भी ज़्यादा असर हुआ है जहाँ नेटवर्क की सुविधा नहीं रहती है। इस कारण मुसाबनी KGBV की वार्डन पिंकी जी बहुत ही परेशान रहती थी ख़ासतौर पर जंगल क्षेत्र कोतोपा, बंकाई, नेतरा, बेड़ा जैसी पंचायतों के लिए। वहाँ रह रही लड़कियों तक कैसे डीजीसाथ और अन्य शिक्षा सामग्री पहुँचाई जाए? तभी कराटे टीचर ‘भोजो सिंग बानरा’ एक आशा की किरण बनकर उभरे।

चूँकि भोजो सर कोतोपा पंचायत निवासी हैं तो उन्होंने यह किया कि अपने स्मार्टफ़ोन पर नेटवर्क मिलते ही सारी शैक्षणिक सामग्री रोज़ाना डाउनलोड कर लेते हैं और प्रतिदिन अपने घर के आसपास के बच्चों को वे इस सामग्री से निशुल्क शिक्षा दे रहे हैं।

शिक्षक दिवस -- शिक्षकों के लिये...

KGBV घाटशिला की वार्डन रिंकी कुमारीजी कहती है “हमारे सारे शिक्षक पूरी ईमानदारी से अपना कार्य करते हैं। इस महामारी के समय में बच्चियों तक शिक्षा पहुँचाने के लिये हमारे विद्यालय के सारे शिक्षकों ने अपने दिल से अथक प्रयत्न कियें है। मैं इस दिवस को ऐसे ही उम्दा शिक्षकों को समर्पित करती हूँ।”

“मेरे इतने सालों के अनुभव में आज का शिक्षक दिवस अनोखा है। आज शिक्षक और छात्र दोनों ही हमेशा की तरह विद्यालय में मौजूद नहीं हैं। हर वर्ष इस दिन पूरे स्कूल में एक उत्सव जैसा वातावरण रहता था। आज हम सभी शिक्षकों को अपनी छात्राओं की बहुत याद आ रही है।“ यह कहती है अंजनी जी, KGBV चाकुलिया की वार्डन ।

आज मैं उपर आसमाँ नीचे...

प्रियंका सरदार एक नहीं दो KGBV की विद्यार्थी है— कक्षा 10 तक KGBV पोटका और कक्षा 11 से वाणिज्य की पढाई घाटशिला KGBV में।

पोटका से ही उसने आर्चरी का अभ्यास शुरू किया। सुशांत पात्रा सर उसके कोच रहे। घाटशिला जाकर भी आर्चरी सिखना चालू रहा।

कोरोना के कारण ना केवल उसकी पढाई, उसकी आर्चरी का अभ्यास भी रुक गया। प्रियंका काफ़ी उदास रहने लगी। उसने यह बात फोन पर अपनी टीचर दीदी, काजल दास को बताई। उसकी लगन और प्रतिभा को देखकर टीचर ने उसे सुशांत सर के साथ मिलकर अपने गांव मोहनाडीह के बच्चों को आर्चरी सिखाने के लिये प्रोत्साहित किया।

उसके इस प्रयास को बहुत सराहा गया। एक दिन प्रियंका को उसकी आइडियल दीपिका कुमारी (भारतीय आर्चर) का फोन आया और दीपिका ने उसे बहुत सारी शुभकामनायें दीं।

प्रियंका सरदार अब और जोश के साथ अपने आर्चरी के अभ्यास में व्यस्त है।

शिक्षक दिवस पर...

धालभूमगढ़ की **दीपा मुरमु** कहती है – वैसे तो शिक्षक आदर सम्मान प्राप्त करने के लिये कोई एक दिन के मोहताज नहीं है, फिर भी 5 सितंबर एक विशेष दिन है और उसका ख़ास महत्व है। अलग-अलग देशों में शिक्षक दिवस अलग-अलग तारीख पर मनाया जाता है। मैं मानती हूँ कि शिक्षक वह व्यक्ति है जो एक पक्की नींव डालता हैं जिस पर हमारे जीवन का भवन खड़ा हो सके।

फूलमनी हेमब्रम अभी KGBV धालभूमगढ से कक्षा 12 पास हुई है। वह कहती है कि मेरे १२वीं कक्षा पास करने में मेरे कई शिक्षकों का योगदान रहा है। मैं उनकी बहुत आभारी हूँ। शिक्षक का मतलब है शिखर तक ले जाना।

KGBV जमशेदपूर की **नेन्सी मालदी** ने कहा कि टीचर हमारे केवल टीचर थे पर अब तो लॉकडाउन में हमारे मेंटर बन गए है।

एक कविता

सीमा महतो कक्षा 12, घाटशिला KGBV

गुरू वही जो जीना सीखा दे,
आपकी आपसे पहचान करा दे ॥
तराश दे हीरे की तरह तुमको,
दुनिया के रास्ते पे चलना सीखा दे ॥
कर दे कायाकल्प वो तुम्हारा,
सच और झूठ से साक्षात करा दे॥
हमेशा दिखाए सच्चा मार्ग वो तुम्हे,
तुम्हें एक अच्छा इंसान बना दे॥
मुश्किलों से लड़कर आगे बढ़ जाओ तुम,
तुम्हें वो इतना समझदार बना दे॥
बताएँ तुम्हें वो जीत जाना ही सब कुछ नहीं है,
हारकर जीत जाने का हुनर सीखा दे॥

तरंग, जानते हैं इस शब्द का अर्थ?

तरंग का अर्थ है लहर, पानी की मौज़! उगम संस्था का एक कार्यक्रम है—तरंग!

आप सभी को तरंग की 3-4 वर्कशीट भेजी थी, आप सबका खूब प्रतिसाद मिला और बहुत लड़कियों ने वर्कशीट पूरी करके वापस भेजी।

तो देखतें हैं आपके जवाब क्या कहते है: आपसे पूछा पूरे दिन में कौनसा काम करना सबसे अच्छा लगता है और कौनसा सबसे बुरा?

जवाब देनेवालों में से 90% ने कहा पढ़ना और होमवर्क करना पसंद है, 50% ने कहा माँ की मदद करने में मज़ा आता है और सबसे नापसंद दो चीज़ें थी— झाड़ू लगाना और जब घर में झगड़े होते है।

फिर आपको अपनी तस्वीर बनानी थी और अपने बारे में सोचना था— 183 लड़कियों ने अपनी तस्वीरें भेजीं। एक पाई चार्ट में देखते है उन्हें कैसा महसूस हुआ-

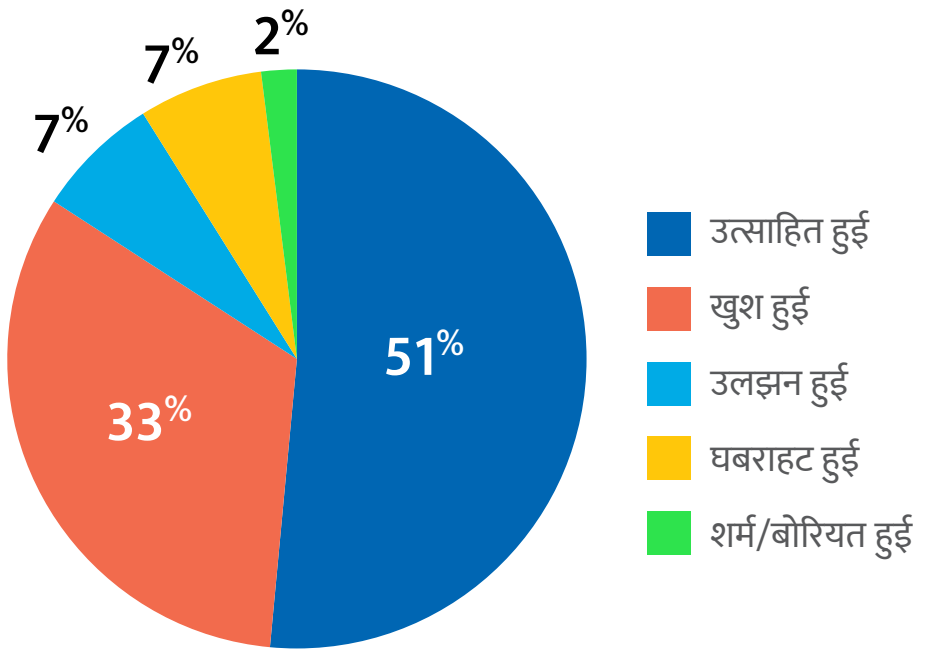

90%

पढ़ना और होमवर्क करना पसंद है

50%

माँ की मदद करने में मज़ा आता है

183

लडकियों ने अपनी तस्वीरें भेजीं

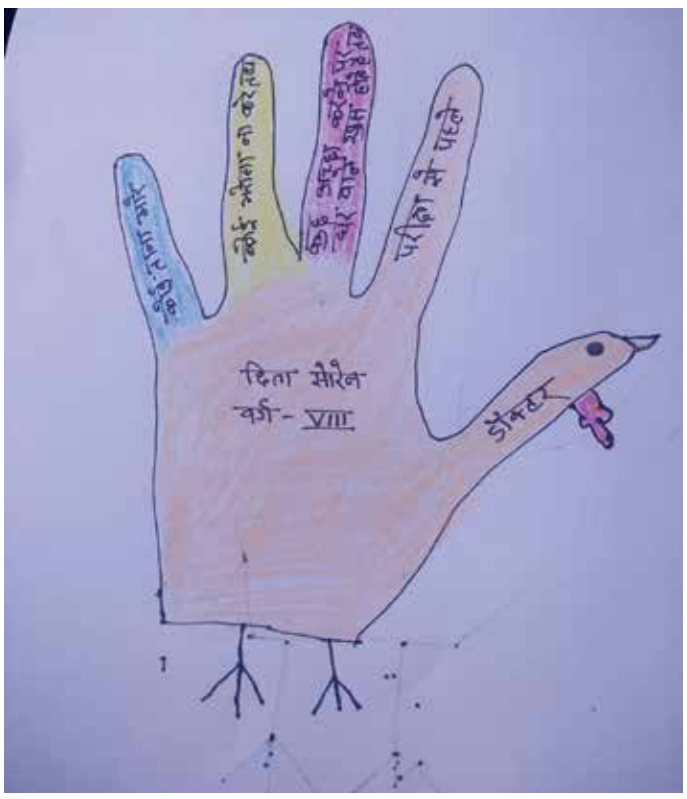

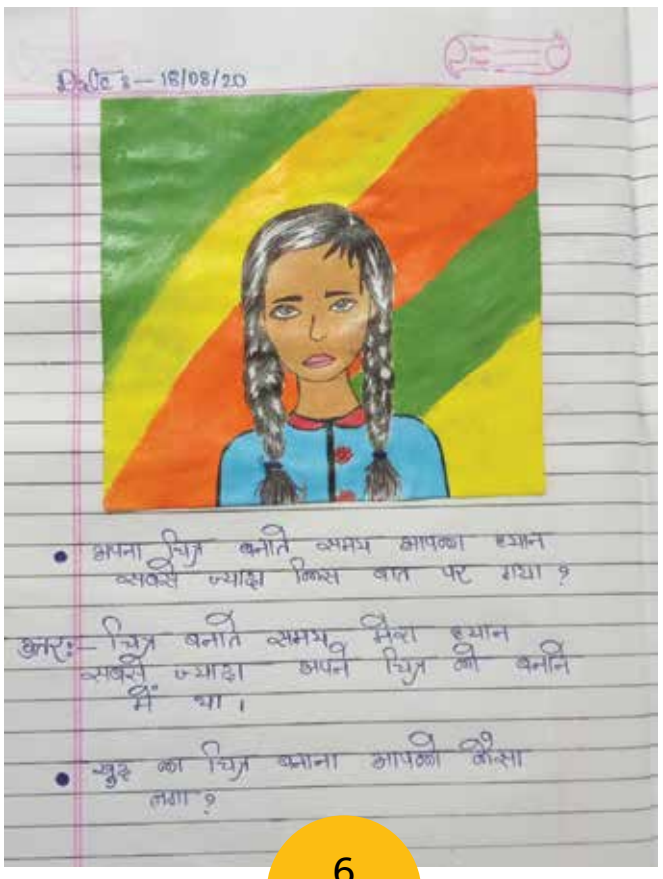

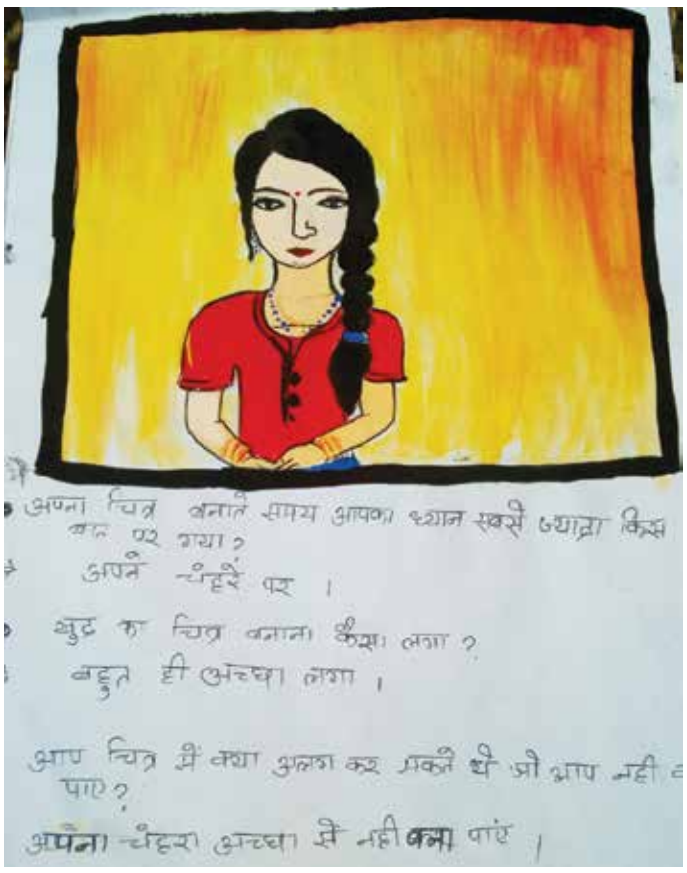

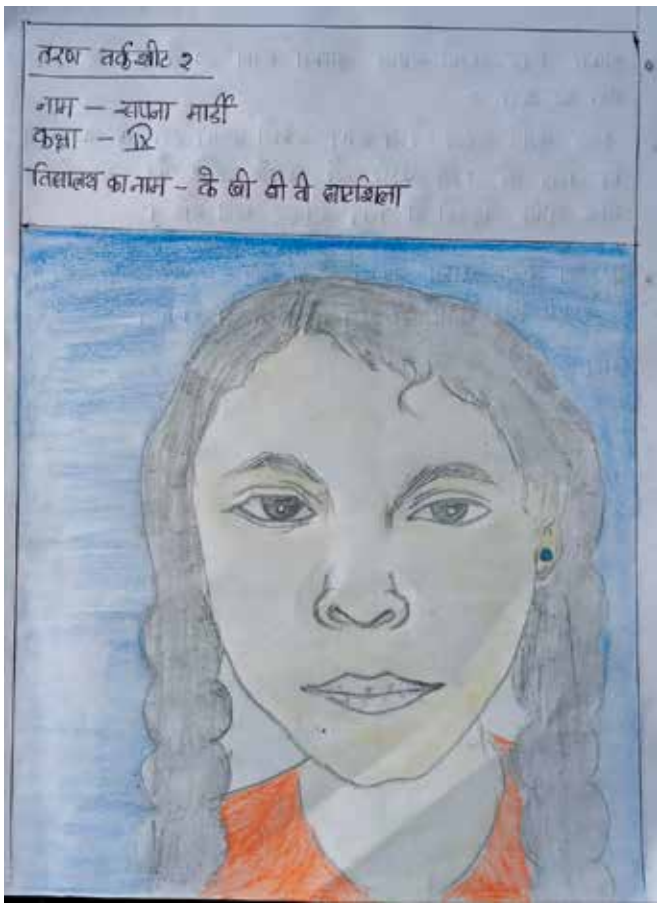

कक्षा – IX
विद्यालय का नाम – के जी बी वी घाटशिला

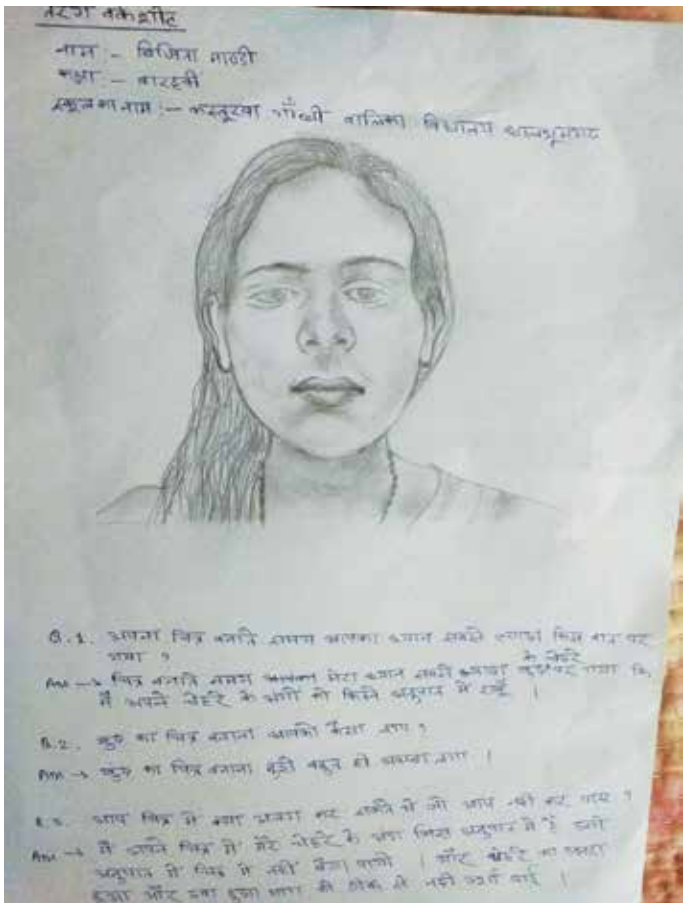

वर्ग – 12
क्रमांक – 50
स्कूल – के·जी·बी·वी· घाटशिला
OPPO A1k

वर्ग :- 12

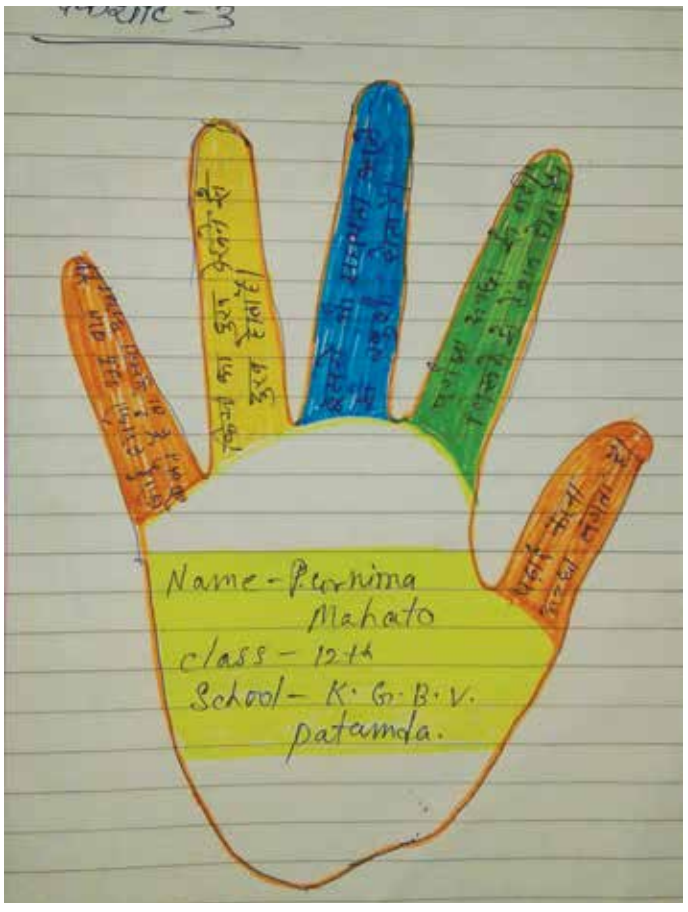

Name - Purnima Mahato
class - 12th
School - K. G. B. V. patamda.

K. G. B. V Musabani

आपकी सहेली माया के प्रश्न...

आप में से बहुत सारी लड़कियों ने खेत में काम किया होगा।

नीचे दिये गये खेती से जुड़े शब्दों के अर्थ हिंदी में लिखिये और फोटो लेकर अपने स्कूल के वोट्सएप ग्रुप में शेर करिये --

field	cattle	irrigation	arable land
grow	winnowing	till	
seeds	plough	fertilizer	
planting	cultivation	pesticide	